ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-अष्टम विषय-हिन्दी

दिनांक—15/02/2021 **सुदामा चरित**

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

<u>एन सी इ आर टी पर आधारित</u>

<u>सुदामा चरित</u>

द्वारका जाहुजू द्ववारका जाहु जू आठहु जाम यहै झक तेरे ।

जो ने कही करिए तो बड़ो दुख, जैये कहाँ अपनी गति हेरे।।

द्वार खड़े प्रभु के छरिया तहें भूपति, जान न पावत नेरे। पाँ

च सुपारी तो देख विचारि के भेंट को चारि न चाउर मेरे

यह सुनिकै तब ब्राह्मनी, गई परोसिनी पास।

पाव-सेर चाउर लिए, आई सहित-हुलास ।।
~~~~~~~~~~

सिद्धि करि गनपति सुमिरि, बाँधि दुपटिया खूँट।

माँगत-खात चले जहाँ, मारग बालि बूट ।।

सीस पगा न झँगा तन में, प्रभु जाने को आहि बसे कहि गामा।

घोती फटी-सी लटी दुपटी अरू, पाय उपनाह की नहिं सासा।

द्वार खड़ो द्विज दुर्बल एक, रहयो चकि वसुधा अभिरामा ।

पूछत दीनदयाल को धाम, बतावत आपनो नाम सुदामा ।

क्रमशः

धन्यवाद

कुमारी पिंकी “कुसुम”

🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲